Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 23-02-2006

Participants : Aditya Nath Shri

>

Title : Need to include Bhojpuri language in the Eighth Schedule to the Constitution.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, विश्व की सबसे बड़ी बोली भोजपुरी लगभग 70 हजार वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में 16 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। उ0प्र0, बिहार, मध्य प्रदेश तथा झारखंड में इसका प्रयोग व्यापक है। नेपाल के तरायी क्षेत्र, मारीशस, फिजी, ट्रिनीडाड, थाईलैंड, हालैंड, मलेशिया तथा सिंगापुर सहित 27 देशों में भी इसका व्यापक आधार है। ऋग्वेद में महर्षि विश्वामित्र द्वारा भोज शब्द, जिससे भोजपुरी बनी, का उल्लेख तो है ही, महाभारत सहित विभिन्न धर्म-ग्रंथों से होते हुए मालवा के राजा भोज, उजजैन के भोज, प्रतिहार भोज, काशी तथा डुगरांव के भोज राजाओं का इतिहास भोजपुरी की व्यापकता, विशालता और प्राचीनता का गवाह है।

संत साहित्यकारों चौरंगीनाथ जी, गोरखनाथ जी, भतृहरि, कबीरदास, कमलदास, धरमदास, धरनीदास, पलटूदास, भीखा साहेब जैसे सैंकड़ों विचारकों और चिन्तकों ने अपनी लोक कथाओं, गीतों, लोक गाथाओं और लोकोक्तियों से भोजपुरी को पीढ़ी दर पीढ़ी एक कंठ से दूसरे कंठ तक पहुंचाया। महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, डॉ0 भगवतशरण उपाध्याय और चतुरी चाचा जैसे रचनाकारों ने भोजपुरी गद्य साहित्य को नयी ऊंचाइयां प्रदान कीं।

महोदय, जैसा कि विदित है भारतीय संविधान के मूल रूप में 14 भाषाएं ही आठवीं सूची में थीं। बाद में इसमें संशोधन कर सिन्धी, कोंकणी, नेपाली, मैनपुरी, मैथिल, डोंगरी, संथाली और बोडो को भी शामिल कर लिया गया। भोजपुरी भाषा अभी तक इस सूची में शामिल नहीं किया गया।

1942 की क्रांति में समूचा भोजपुरी क्षेत्र उद्वेलित था। चौरीचौरा और बलिया की घटनाओं से अंग्रेज शासक कुपित थे, मगर अब तो हम आजाद हैं, हमारी अपनी सरकार है, फिर भी भोजपुरी को उपयुक्त स्थान नहीं मिला है।

महोदय, हम 16 करोड़ लोगों की भावनाओं को समझते हुए भोजपुरी को तत्काल आठवीं सूची में शामिल किया जाये।